

प्रदेश में जल परविहन व पर्यटन को प्रोत्साहन के लिये सोलर बोट का होगा संचालन

चर्चा में क्यों?

27 जून, 2023 को उ.प्र. नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण तथा उ.प्र. राज्य पर्यटन विकास लि. के बीच सौर ऊर्जा चालति नौकाओं के संचालन के लिये करार हस्ताक्षरित किया गया, जिसके तहत प्रदेश में जल परविहन व पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिये नदियों, सरोवरों व झीलों में सौर ऊर्जा चालति नौकाओं (सोलर बोट) का संचालन किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- विभिन्न नगर नगिमों में 17 स्थलों पर स्थिति नदियों व सरोवरों में सोलर बोट संचालित किये जाने का निर्णय लिया गया है।
- पहले चरण में यह अयोध्या, काशी, मथुरा सहित पाँच धार्मिक स्थलों पर चलेंगी। इसकी शुरुआत अयोध्या से होगी। इस तरह का प्रयोग करने वाला उत्तर प्रदेश पहला राज्य है।
- धर्मनगरी अयोध्या के सरयू नदी में अत्याधुनिक 30 सोलर बोट का संचालन शुरू किया जाएगा। बोट से श्रद्धालु सरयू नदी का दर्शन पूजन कर सकेंगे साथ ही इससे जल पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। करीब एक करोड़ रुपए की लागत वाली इस बोट पर एक साथ 12 से 15 लोग बैठ सकेंगे।
- अयोध्या के बाद काशी, मथुरा, प्रयागराज और गढ़मुक्तेश्वर में सोलर बोट शुरू की जाएगी। इसके बाद अगले सत्र में चित्तूरकूट, आगरा, गोरखपुर, जौनपुर सहित अन्य नदी के किनारे वाले शहरों में यह सुविधा दी जाएगी।
- प्रारंभ में यूपी नेडा द्वारा सोलर बोट को आपूर्तिकर्ता फर्म के माध्यम से छह महीने के लिये प्रयोग के तौर पर संचालित कराया जाएगा। इसके बाद पर्यटन विकास नगिम द्वारा नज्दी उद्यमियों के माध्यम से अनुभवी संस्था का चयन करते हुए सोलर बोट का नियमित संचालन किया जाएगा।